

संगे ज्वालामुखी

चर्चा में क्यों?

हाल ही में इक्वाडोर स्थिति संगे ज्वालामुखी में हुए वसिफोट के बाद इससे निकले राख के बादल आकाश में 8,500 मीटर (लगभग 28, 890 फीट) की ऊँचाई तक पहुँच गए।

प्रमुख बटु:

संगे ज्वालामुखी:

- संगे ज्वालामुखी इक्वाडोर के साथ-साथ वशिव के सबसे सक्रिय ज्वालामुखियों में से एक है।
- संगे एंडीज़ के उत्तरी ज्वालामुखी क्षेत्र में स्थिति सबसे दक्षिणी मशिरति ज्वालामुखी (लावा और राख की वैकल्पिक परतों से बना एक ज्वालामुखी) है। यह 5230 मीटर ऊँचा है।
 - एंडीज़ वशिव की सबसे लंबी पर्वत शृंखला (जल के ऊपर) है और इसमें वशिव की कुछ सबसे ऊँची चोटियाँ शामिल हैं।
 - संगे राष्ट्रीय उद्यान एंडीज़ पर्वतों के पूर्वी हिस्से में इक्वाडोर के मध्य भाग में स्थिति है। यह एक वशिव धरोहर स्थल है।



वसिफोट:

- इस ज्वालामुखी में वसिफोट का सबसे पुराना मामला वर्ष 1628 में दर्ज किया गया है। वर्ष 1728 से वर्ष 1916 के बीच तथा पुनः वर्ष 1934 से वर्तमान तक कमोबेश नरितर वसिफोट के मामले देखे गए थे।

इक्वाडोर के अन्य प्रमुख ज्वालामुखी:

- इक्वाडोर, पैसिफिक रमि के "रिंग ऑफ फायर" क्षेत्र का हिस्सा है और इस देश में आठ ज्वालामुखी हैं, जैसे- कोटोपेक्सी (5,897 मी.), कैम्बे (5,790 मी.), पचिचिा (4,784 मी.) आदि।

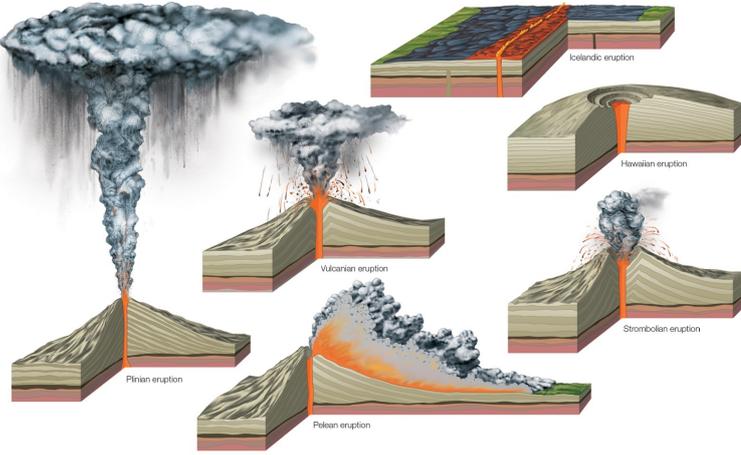
ज्वालामुखी वसिफोट:

परचिय:

- ज्वालामुखी करिया के अंतरगत पृथ्वी के आंतरिक भाग में मैग्मा व गैस के उत्पन्न होने से लेकर भू-पटल के नीचे व ऊपर लावा के प्रकट होने तथा शीतल व ठोस होने तक की समस्त प्रक्रियाएँ शामिल की जाती हैं।
- इसका सबसे आम परणाम आबादी का स्थानांतरण है, क्योंकि अक्सर लावा के प्रवाह से बचने के लिये बड़ी संख्या में लोगों को भागने के लिये वविश होना पड़ता है।

प्रकार: ज्वालामुखीय गतिविधि और ज्वालामुखी कषेत्रों को आमतौर पर छह प्रमुख प्रकारों में वभिजति कया जाता है:

- **आइसलैंडिक (Icelandic):**
 - इसमें पघिला हुआ बेसाल्टी लावा लंबे और समानांतर दरार (Parallel Fissure) से बहता है। इस प्रकार का बहाव अक्सर लावा पठारों का निर्माण करता है।
- **हवाईयन (Hawaiian):**
 - यह आइसलैंडिक ज्वालामुखी के समान ही होता है। हालाँकि इसमें ज्वालामुखी के शिखर व त्रिजितीय दरारों से तरल लावा का प्रवाह होता है, इससे शीलड ज्वालामुखी का निर्माण होता है, जो काफी बड़े होते हैं और मंद ढलान वाले होते हैं।
- **स्ट्रॉम्बोलियन (Strombolian):**
 - इनमें गर्म गैसों के मध्यम वसिफोट शामिल होते हैं जो चक्रीय या लगभग नरिंतर छोटे वसिफोटों में तापदीप्त लावा को थक्के के रूप में बाहर निकालते हैं।
 - इस तरह के कम अंतराल वाले नरिंतर वसिफोटों के कारण इटली के उत्तर-पूर्वी तट से दूर स्ट्रॉम्बोली द्वीप पर स्थिति स्ट्रॉम्बोली ज्वालामुखी को "भूमध्य सागर का प्रकाश स्तंभ" कहा गया है।
- **वलकैनियन (Vulcanian):**
 - इसका नाम स्ट्रॉम्बोली के पास वलकेनो द्वीप से प्रेरित है, इस ज्वालामुखी में आमतौर पर ज्वालामुखी की राख से भरे गैस के वसिफोट होते हैं। यह मशिरण गहरे, अशांत बादलों का निर्माण करता है जो तेज़ी से ऊपर उठते हैं और घुमावदार आकार में फैल जाते हैं।
- **पलियिन:**
 - इसका अभिप्राय ऐसे वसिफोट से है, जो पाइरोक्लास्टिक प्रवाह उत्पन्न करते हैं, यह गर्म गैस और ज्वालामुखीय पदार्थ का एक घना मशिरण होता है।
 - इन वसिफोटों द्वारा उत्पन्न द्रवीय मशिरण (fluidized slurries) हवा की तुलना में भारी होते हैं, कति इनमें कम श्यानता होती है और ये तीव्र वेग के साथ ढलानों से नीचे गरिते हैं, नतीजतन ये बेहद वनिशकारी होते हैं।
- **पीनियन:**
 - यह तीव्र ज्वालामुखी वसिफोट का एक प्रकार है। इस प्रकार के वसिफोट में गैस युक्त मैग्मा से निकलने वाली गैसों तीव्र वसिफोट उत्पन्न करती हैं, जसिके माध्यम से मैग्मा बाहर निकलता रहता है।



स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस